जब अध्यक्ष जी, ये सारी समस्याएं हमारे सामने आती हैं तो मन में कुछ शंका पैदा होती है कि जहां सुधार की दिशा में जब हम आगे बढ़ना चाहते हैं तो क्या सही अर्थ में सुधार के ध्येय तक हम पहुंचेंगे या नहीं? हमने बड़ी कोशिश की कि आजादी का फल हर गरीब की झोंपड़ी तक पहुंचे मगर वह आज तक नहीं पहुंच पाया। आज प्रातः हाउस के भोजनावकाश के लिये उठने से पहले जब वित्त मंत्री जी वित्त विधेयक यहां पेश कर रहे थे तो उनके चेहरे पर खुशी थी और वित्त विधेयक पेश करते हुये उन्होंने कुछ लघु उद्योगों को रियायतें दीं।

---

**5.15 म०प०**

## प्रधान मंत्री द्वारा वक्तव्य

**ऑगमेन्टेड सैटेलाइट लांच व्हीकल-डी 4 (ए०एस०एल०वी० डी०-4 का प्रक्षेपण)**

**प्रधान मंत्री (श्री पी०वी० नरसिंह राव)** : मुझे माननीय सदन को आज सुबह ए० एस० एल० वी० की सफल उड़ान की सूचना देते हुए खुशी हो रही है।

संवर्धित उपग्रह प्रमोचक राकेट को आज श्री हरिकोटा से सफलतापूर्वक प्रमोचित किया गया। प्रारंभिक कक्षा निर्धारण के आधार पर ए० एस० एल० वी-डी०4 राकेट ने 113 किलोग्राम भार के श्रोस-सी०2 उपग्रह को 46 डिग्री के झुकाव पर लगभग 437 किलोमीटर की उप-भू और 938 किलोमीटर की अप-भू कक्षा में स्थापित कर दिया। यह ए० एस० एल० वी० की दूसरी अनवरत सफल उड़ान थी। इसरो के दूरमिति, अनुवर्तन और कमाण्ड केन्द्रों में श्रोस-सी०2 से प्राप्त आंकड़ों के प्रारंभिक विश्लेषण से पता चला है कि उपग्रह सामान्य रूप में कार्य कर रहा है।

ए० एस० एल० वी०-डी०4 का प्रमोचन दो स्ट्रैप-ऑन बूस्टरों के प्रज्वलन के साथ भारतीय समयानुसार प्रातः 0530 बजे किया गया तथा इसके 44.1 सैकेण्ड के बाद ऑन-बोर्ड वास्तविक काल निर्णय प्रणाली द्वारा प्रथम चरण की मोटर का प्रज्वलन शुरू किया गया। स्ट्रैप-ऑन बूस्टर 55.1 सैकेण्ड पर पृथक हो गए। उड़ाने के 93 सैकेण्ड के पश्चात् प्रथम चरण के प्रथक्करण तथा द्वितीय चरण के प्रज्वलन के लिए कमाण्ड भेजी गई और तब से बंद पाश मार्गदर्शन योजना शुरू हो गई। पूर्व निर्धारित 107 किलोमीटर की ऊंचाई पर राकेट के सघन वायुमण्डल को पार करने के पश्चात् योजनानुसार 142.9 सैकेण्ड पर ताप कवच जेटिशन किया गया। द्वितीय चरण का पृथक्करण तथा तृतीय चरण का प्रज्वलन उड़ान के 148.1 सैकेण्ड पर हुआ। तृतीय चरण के 195.6 सैकेण्ड पर प्रज्वलन के बाद दीर्घ तवनुगमन चरण द्वारा अनुसरण किया गया तथा योजनानुसार 488.9 सैकेण्ड पर तृतीय चरण का पृथक्करण हुआ। उपग्रह के साथ-साथ चतुर्थ चरण का प्रचक्रण किया गया और 491.7 सैकेण्ड पर चतुर्थ चरण प्रज्वलित हुआ। उड़ान के बाद लगभग 641.6 सैकेण्ड पर चतुर्थ चरण से श्रोस-सी०2 उपग्रह पृथक् हो गया।

शार, बेंगलूर, तिरुवनन्तपुरम और कारनिकोबार स्थित दूरमिति और अनुवर्तन केन्द्रों के नेटवर्क का प्रयोग करते हुए सभी घटनाओं का मॉनीटरन किया गया। कारनिकोबार में प्राप्त आंकड़ों से पता चलता है कि चतुर्थ चरण से श्रोस-सी०2 उपग्रह का पृथक्करण सामान्य रूप में हुआ।

[ श्री पी० वी० नरसिम्हा राव ]

ए० एस० एल० वी० डी० 4 की सफल उड़ान ने राकेट की उपप्रणालियों की आवर्तनता को सिद्ध कर दिया तथा इसने ऐसी अनेक प्रौद्योगिकियों के मूल्यांकन में भी सहायता की है, जिनका इसरो के पी० एस० एल० वी० और जी० एस० एल० वी० जैसे उन्नत प्रमोचक राकेटों में उपयोग किया जाता है। इन उप-प्रणालियों में दूरमिति, अनुवर्तन और कमाण्ड प्रणालियों सहित स्ट्रैप-ऑन बूस्टर प्रौद्योगिकी, बंद-पाश मार्गदर्शन प्रणाली, वास्तविक काल ऑन-बोर्ड निर्णय प्रणाली इत्यादि शामिल हैं।

मुझे विश्वास है कि माननीय सदस्य मेरे साथ अन्तरिक्ष विभाग के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, तकनीशियनों और अन्य सभी को बधाई देना चाहेंगे, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में हमें गौरवान्वित किया है।

[हिन्दी]

**अध्यक्ष महोदय** : वाजपेयी जी, आप कुछ कहना चाहेंगे।

**श्री अटल बिहारी वाजपेयी** (लखनऊ) : अध्यक्ष जी, प्रधान मंत्री हम सब की ओर से बोले हैं और सारा सदन प्रसन्न है। अलग-अलग बोलकर प्रसन्नता को प्रकट करना अनावश्यक है।

**अध्यक्ष महोदय** : अब तो दोनों तरफ से कहा गया है।

[अनुवाद]

**श्री पी०सी० नरसिंह राव** : मैं विपक्ष के नेता के सुझाव और सारे सदन की प्रसन्नता व प्रशंसा को वैज्ञानिकों तक पहुंचा दूंगा।

---

**5.18 म०प०**

## वित्त विधेयक, 1994–जारी

**अध्यक्ष महोदय** : श्री हरिन पाठक अपना भाषण जारी रखें।

[हिन्दी]

**श्री हरिन पाठक** (अहमदाबाद) : मैं यह कहने जा रहा था कि जब सुबह भोजनावकाश से पहले हमारे वित्त मंत्री जी वित्त विधेयक पेश कर रहे थे, तब कुछ रियायतें उन्होंने लघु उद्योगों में दीं। हम सब साथियों ने मेजें थपथपा कर उनका स्वागत किया, लेकिन अध्यक्ष जी, मुझे लगता है कि वे जो कागज पढ़ रहे थे उसमें टाइप करने वाले कर्मचारी के अश्रु की बूंदें भी पड़ी हुई थीं।

**5.19 म०प०**

**(उपाध्यक्ष महोदय पीठासीन हुए)**

इसलिए कि यह वह कर्मचारी हैं जो इन सारी रियायतों से बिल्कुल अलग रहा है। इस देश का मध्यम वर्ग, इस देश का सरकारी कर्मचारी, चपरासी से लेकर अधिकारी तक, हरेक के साथ इन्होंने बहुत बड़ा अन्याय किया है। बार-बार उद्योगों को विदेशियों के साथ कम्पटीशन करने के लिए इम्पोर्ट